क्षितिज

कक्षा 10

कक्षा 10

क्षितिज

अनिवार्य हिंदी

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

क्षितिज

अनिवार्य हिंदी

कक्षा 10 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अनिवार्य हिंदी

कक्षा 10 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

संयोजक :–

डॉ. शशिप्रकाश चौधरी
जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या विज्ञान महाविद्यालय, कोटा

लेखकगण :–

1. डॉ. गजेन्द्र मोहन
व्याख्याता, राजकीय महाविद्यालय, नसीराबाद

2. श्री राजेश कुमार गोयल
व्याख्याता, रा.उ.मा.वि. दुर्गापुरा, जयपुर

3. श्री श्याम सिंह
वरिष्ठ अध्यापक, रा.उ.मा.वि. देवातड़ा, भोपालगढ़, जोधपुर

पाठ्यक्रम समिति

अनिवार्य हिंदी

कक्षा 10 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

संयोजक :– डॉ. आशीष सिसोदिया, सहायक आचार्य
हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

सदस्य :–

1. डॉ. दीपिका विजयवर्गीय, व्याख्याता
   राजकीय स्नातकोत्तर महिला कॉलेज, चौमूं जिला–जयपुर

2. डॉ. नवीन नन्दवाना, सहायक आचार्य हिन्दी विभाग
   मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

3. श्री संजय कुमार शर्मा
   डाइट , हनुमानगढ़

4. श्री रमाशंकर शर्मा, व्याख्याता
   राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धौलपुर

5. श्री अशोक कुमार शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक
   राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रलावता, अजमेर

6. श्री रमाशंकर शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक
   राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, कुण्डगेट, सावर, अजमेर

दो शब्द

विद्यार्थी के लिए पाठ्यपुस्तक क्रमबद्ध अध्ययन, पुष्टीकरण, समीक्षा और आगामी अध्ययन का आधार होती है। विषय-वस्तु और शिक्षण-विधि की दृष्टि से विद्यालयी पाठ्यपुस्तक का स्तर अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हो जाता है। पाठ्यपुस्तकों को कभी जड़ या महिमामण्डित करने वाली नहीं बनने दी जानी चाहिए। पाठ्यपुस्तक आज भी शिक्षण-अधिगम-प्रक्रिया का एक अनिवार्य उपकरण बनी हुई है, जिसकी हम उपेक्षा नहीं कर सकते।

पिछले कुछ वर्षों में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में राजस्थान की भाषागत एवं सांस्कृतिक स्थितियों के प्रतिनिधित्व का अभाव महसूस किया जा रहा था, इसे दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार द्वारा कक्षा-9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान द्वारा अपना पाठ्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसी के अनुरूप बोर्ड द्वारा शिक्षण सत्र 2016-17 से कक्षा-9 व 11 तथा सत्र 2017-18 से कक्षा-10 व 12 की पाठ्यपुस्तकें बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर ही तैयार कराई गई हैं। आशा है कि ये पुस्तकें विद्यार्थियों में मौलिक सोच, चिंतन एवं अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करेंगी।

प्रो. बी.एल. चौधरी
अध्यक्ष
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

आमुख

साहित्य मनुष्य की जय यात्रा का सबसे विश्वसनीय पथबन्धु है। इस प्रतिज्ञा का पालन दसवीं कक्षा की इस अनिवार्य हिन्दी पुस्तक के पाठ संयोजन के प्रसंग में पूरी निष्ठा के साथ स्वयं ही हो गया है। साहित्य की बुनियादी शर्त संवेदना का संवर्धन है। इस पुस्तक के तमाम पाठों से गुजरते हुए भारत के सर्वसमावेशी समाज की संवेदना एवं सामाजिकता से आपकी मुलाकात होगी। सदियों में फैली हिन्दी भाषा की कारयित्री प्रतिभा का उजास इस संकलन में समेटने की कोशिश की गयी है। यों भी, साहित्य के गुणसूत्र में सबका हित समाहित है। बहुजन हिताय की ध्वनि सभी पाठों की आत्मा से प्रसारित हो रही है।

किशोर वय के विद्यार्थियों के लिए यंत्रों के संजाल का आभासी संसार चारों तरफ फैला पड़ा है। इस समूह को चुपचाप मूक दर्शक एवं श्रोता समूह में बदल दिया गया है। इन रचनाओं से किशोर पाठकों का मनोजगत सांस्कृतिक परिवेश के प्रति आकर्षित होगा तथा मननशील नागरिक की दिशा में उसके चित्त का रूपान्तरण होगा।

भारत का जन समाज शताब्दियों से लोकतांत्रिक मन में प्रशिक्षित है। इसका सुन्दरतम साक्ष्य सदियों के साहित्य में सुरक्षित है। विश्व समुदाय भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। कहना नहीं होगा कि इन पाठों के संदेशों से गुजर कर विद्यार्थियों का विश्व बोध अपनी माटी और अपने देशज विचारों के प्रति सदय होगा। पूर्वाग्रह से मुक्त होकर वह समाज के आखिरी सोपान के व्यक्ति के प्रति सहिष्णु होगा। स्त्रियों को समानधर्मा समझेगा। दिव्यांग जनों के प्रति व्याकुल होगा।

इस पुस्तक की रूपरेखा अठारह पाठों में समाहित है। नौ पद्य पाठ और नौ गद्य पाठ का समतोल कायम रखा गया है। कवियों को काल क्रमानुसार सजाया गया है। गद्य में इस टेक का निर्वहन संभव नहीं हो पाया है। गद्य खण्ड में यह प्रयास रहा है कि नवलेखन की विविध बहुरंगी विधाओं से आपका रचनात्मक परिचय एवं लगाव स्थापित हो जाए। शब्द और स्मृति के इस आयोजन की आप सैर करें। इसी अपेक्षा एवं आकांक्षा के साथ ..... **शिवास्ते पन्थानः सन्तु।**

— संयोजक

डॉ. शशिप्रकाश चौधरी

हिंदी पाठ्यक्रम – कक्षा– 10

समय– 3.15

विषय कोड–01
पूर्णांक – 80

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	8
रचना	12
व्यावहारिक व्याकरण	12
पाठ्य पुस्तक क्षितिज	48
योग	80

खण्ड – 1

अपठित बोघ – 8 अंक
(क) अपठित गद्यांश – 4 अंक
(ख) अपठित गद्यांश – 4 अंक

खण्ड – 2

रचना – 12 अंक
निबंध लेखन – 8 अंक
पत्र लेखन (कार्यालय पत्र, व्यावसायिक पत्र) – 4 अंक

खण्ड – 3

व्यवहारिक व्याकरण – 12 अंक

- क्रिया, विशेषण – 2 अंक
- कारक, काल, वाच्य – 3 अंक
- समास – 2 अंक
- वाक्य शुद्धि – 2 अंक
- मुहावरे – 2 अंक
- लोकोक्तियाँ – 1 अंक

खण्ड – 4

4. पाठ्य पुस्तक क्षितिज (48 अंक)
(क) 1 व्याख्या गद्य भाग से (विकल्प सहित) – 06 अंक
(ख) 1 व्याख्या गद्य भाग से (विकल्प सहित) – 06 अंक
(ग) 2 निबंधात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से विकल्प सहित) 2X6 = 12 अंक
(घ) 6 लघूत्तरात्मक प्रशन (3 गद्य एवं 3 पद्य भाग से) 6X2 = 12 अंक
(ड.) 4 अतिलघूत्तरात्मक प्रशन(4 गद्य एवं 4 पद्य भाग से) $4X1\frac{1}{2}$ = 6 अंक
(च) किन्हीं दो रचनाकारों का परिचय (कवि एवं लेखक) 2X3= 6 अंक

हिंदी कक्षा– 10 (अनिवार्य)

हिंदी की पाठ्यपुस्तक के लिए संभावित रचनाकार एवं रचनाओं की सूची

काव्य खण्ड

1. सूरदास के पद जो कि क्षितिज भाग–2 कक्षा 10 में संगृहीत है।
2. तुलसीदास द्वारा रचितक रामचरित मानस का कोइ अंश । जैसे– लक्ष्मण– परशुराम संवाद जो कि क्षितिज भाग– 2 कक्षा 10 में संगृहित है।
3. रीतिकालीन कवि देव की कविता जो कि क्षितिज भाग – 2 कक्षा 10 में संगृहित है।
4. सेनापति के कोई चार पद, ऋतुवर्णन से संबंधित।
5 राजस्थानी के कोई चार पद, ऋतुवर्णन से संबंधित।
6 जयशंकर प्रसाद की कविता आत्मकथ्य, जो कि क्षितिज भाग–2 कक्षा 10 में संगृहित है।
8. नागार्जुन की कोई दो कविताएँ।
9. ऋतुराज की कविता कन्यादान, जो कि क्षितिज भाग– 2 कक्षा 10 में संगृहीत है।

गद्य खण्ड

10. भारतेन्दु का कोई एक निबंध
11. प्रेमचन्द की कहानी ईदगाह
12. महावीर प्रसाद द्विवेदी – स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन
13 लक्ष्मीनारायण रंगा – अमर शहीद (एकांकी)
14 राहुल सांकृत्यायन, अज्ञेय, मोहनराकेश आदि द्वारा रचित कोई एक यात्रा वृतांत
15 दिनकर का लेख – ईष्या तू न गई मेरे मन से।
16. धर्मवीर भारती, अज्ञेय, महादेवी वर्मा आदि रचनाकारों में से किसी एक का संस्मरण
17. राजस्थान के लोक संत
18. महाराव शेखा/अमर सिंह राठौड ।
19. सड़क सुरक्षा शिक्षा– (4 अंक)